SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Dancer

नर्तक (Dancer) एक पेशेवर कलाकार होता है जो अपने शरीर की गति, मुद्रा, भाव और लय के माध्यम से कहानियों, भावनाओं और विचारों को दर्शकों तक पहुँचाता है। भारत में नृत्य की अनेक धाराएँ हैं — कथक और भरतनाट्यम जैसी शास्त्रीय शैलियाँ,...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/dancer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

नर्तक (Dancer) एक पेशेवर कलाकार होता है जो अपने शरीर की गति, मुद्रा, भाव और लय के माध्यम से कहानियों, भावनाओं और विचारों को दर्शकों तक पहुँचाता है। भारत में नृत्य की अनेक धाराएँ हैं — कथक और भरतनाट्यम जैसी शास्त्रीय शैलियाँ, समकालीन (कंटेम्पररी) नृत्य, राजस्थान का घूमर व कालबेलिया जैसा लोकनृत्य, और फ़िल्म व मंच का नृत्य। एक नर्तक वर्षों तक गुरु के मार्गदर्शन में साधना करता है, फिर मंच प्रदर्शन, नृत्य नाटिका, त्योहारों, फ़िल्मों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति देता है तथा नई पीढ़ी को नृत्य सिखाता है। यह अनुशासन, समर्पण और कला-प्रेम का करियर है जो पहचान और आत्म-अभिव्यक्ति देता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	कोई औपचारिक डिग्री अनिवार्य नहीं; गुरु के अधीन नियमित प्रशिक्षण; डिप्लोमा/डिग्री लाभदायक
प्रशिक्षण अवधि	5–8+ वर्ष की गहन साधना (शास्त्रीय); जीवनभर अभ्यास
आरंभिक वेतन	₹8,000–20,000/माह (अस्थिर, प्रदर्शन/क्लास पर निर्भर)
कार्य-शैली	फ़्रीलांस प्रदर्शन + नृत्य शिक्षण; कुछ स्थायी अकादमी/रेपर्टरी पद

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- संगीत, लय और गति के माध्यम से खुद को व्यक्त करने में रुचि
- भारतीय शास्त्रीय व लोक संस्कृति और परंपरा के प्रति लगाव
- मंच पर प्रदर्शन और दर्शकों से जुड़ने का उत्साह

क्षमताएँ

- शारीरिक लचीलापन, संतुलन, सहनशक्ति और उत्तम शारीरिक फ़िटनेस
- भाव-अभिव्यक्ति, स्मरणशक्ति और अनुशासित अभ्यास की क्षमता
- लय, ताल और संगीत की गहरी समझ

ज़रूरी कौशल

- किसी शैली (कथक, भरतनाट्यम, समकालीन या लोकनृत्य) की तकनीक व पदचालन में दक्षता
- ताल, लय और संगीत के साथ तालमेल
- मंच उपस्थिति, आत्मविश्वास और दर्शकों से संवाद
- सोशल मीडिया व वीडियो के ज़रिए स्वयं का प्रचार व ब्रांडिंग
- अभिनय व भाव (मुख-मुद्रा से भावनाएँ व्यक्त करना)
- कोरियोग्राफी सीखना, याद रखना और मंच पर उतारना
- नृत्य शिक्षण और कक्षा-प्रबंधन कौशल

4 कैसे पहुँचें

1. बचपन/किशोरावस्था में किसी शैली को चुनें और किसी योग्य गुरु या नृत्य विद्यालय में नियमित प्रशिक्षण शुरू करें।
2. वर्षों तक गुरु-शिष्य परंपरा में अभ्यास करें; रंगमंच प्रवेश (अरंगेत्रम/मंच अर्पण) व छोटे कार्यक्रमों से मंच अनुभव लें।
3. कथक केंद्र, विश्वविद्यालय या अकादमी से डिप्लोमा/डिग्री लेकर औपचारिक प्रमाणन प्राप्त करें (वैकल्पिक पर उपयोगी)।
4. त्योहारों, नृत्य समारोहों, सांस्कृतिक मंडलियों और प्रतियोगिताओं में प्रस्तुति देकर पहचान बनाएँ।
5. अपना पोर्टफ़ोलियो व सोशल मीडिया बनाएँ, नृत्य कक्षाएँ लें और स्वतंत्र प्रदर्शन/असाइनमेंट प्राप्त करें।
6. अनुभव के साथ रेपर्टरी, नृत्य कंपनी, अकादमी में स्थायी पद या अपना नृत्य विद्यालय स्थापित करें।

प्रमुख परीक्षाएँ

- कथक केंद्र / राष्ट्रीय नृत्य संस्थानों की प्रवेश व डिप्लोमा परीक्षाएँ (वैकल्पिक)

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- जवाहर कला केंद्र (JKK), जयपुर — कथक व अन्य नृत्य कक्षाएँ — जयपुर, राजस्थान (https://jkk.artandculture.rajasthan.gov.in/content/ArtandCulture/en/jawahar-kala-kendra.html)
- राजस्थान संगीत नाटक अकादमी — जोधपुर, राजस्थान (https://artandculture.rajasthan.gov.in/content/raj/art-and-culture/rajasthan-sangeet-natak-akadamy/en/home.html)
- कथक केंद्र (राष्ट्रीय कथक नृत्य संस्थान), संगीत नाटक अकादमी — नई दिल्ली (https://www.kathakkendra.in/admission)
- संगीत नाटक अकादमी (राष्ट्रीय संगीत, नृत्य व नाट्य अकादमी) — नई दिल्ली / अखिल भारतीय (https://www.sangeetnatak.gov.in/)
- कलाक्षेत्र फ़ाउंडेशन (भरतनाट्यम व शास्त्रीय नृत्य) — चेन्नई (https://kalakshetra.in/)

निजी संस्थान

- जयपुर संगीत महाविद्यालय — शास्त्रीय नृत्य कक्षाएँ — जयपुर, राजस्थान (https://www.jaipursangeetmv.com/indian-classical-dance-classes-in-jaipur.html)
- श्रीराम भारतीय कला केंद्र (SBKK) — नई दिल्ली

ऑनलाइन

- संगीत नाटक अकादमी — डिजिटल संसाधन व अभिलेखागार — ऑनलाइन (https://www.sangeetnatak.gov.in/)
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) — नृत्य संसाधन — ऑनलाइन (https://ignca.gov.in/)

फ़ीस

स्थानीय नृत्य कक्षाएँ प्रायः ₹500–3,000/माह तक होती हैं। कथक केंद्र जैसे सरकारी संस्थानों में शुल्क बहुत कम (प्रायः कुछ सौ रुपये प्रति माह) होता है और मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति मिलती है। प्रतिष्ठित निजी अकादमियों व विश्वविद्यालय की डिग्री/डिप्लोमा की फ़ीस सालाना ₹15,000–1,00,000 तक हो सकती है।

छात्रवृत्तियाँ

- CCRT — युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति (सांस्कृतिक क्षेत्र) (https://ccrtindia.gov.in/scholarship-fellowship/scheme-for-scholarships-to-young-artistes/)
- संस्कृति मंत्रालय — विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति (https://www.indiaculture.gov.in/award-scholarships-young-artists-different-cultural-fields)
- MyScheme — युवा कलाकार छात्रवृत्ति (ASYADCF) (https://www.myscheme.gov.in/schemes/asyadcf)
- राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP) (https://scholarships.gov.in)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

मंच व सभागार, नृत्य समारोह व त्योहार, फ़िल्म व टीवी सेट, होटल व सांस्कृतिक पर्यटन कार्यक्रम, नृत्य अकादमियाँ व स्कूल, रेपर्टरी व नृत्य कंपनियाँ, तथा विदेशी दौरे।

कार्य-संस्कृति

काम के घंटे अनियमित होते हैं — दिन में रियाज़/अभ्यास और शाम/रात में प्रदर्शन। आय प्रदर्शन, मौसम और त्योहारों पर निर्भर करती है, इसलिए कई नर्तक शिक्षण के साथ इसे संतुलित करते हैं। यात्रा, कड़ी शारीरिक साधना और निरंतर अभ्यास इस पेशे का हिस्सा हैं।

कौन नौकरी देता है

- नृत्य अकादमियाँ, गुरुकुल और स्कूल-कॉलेज (नृत्य शिक्षक के रूप में)
- सरकारी सांस्कृतिक संस्थान — संगीत नाटक अकादमी, कथक केंद्र, राज्य अकादमियाँ की रेपर्टरी

- फ़िल्म, टीवी, वेब व विज्ञापन उद्योग (बैकग्राउंड व फ़ीचर डांसर)
- होटल, रिज़ॉर्ट, क्रूज़ व सांस्कृतिक पर्यटन मंडलियाँ (राजस्थान में घूमर/कालबेलिया लोकनृत्य)
- इवेंट व वेडिंग कंपनियाँ, नृत्य समारोह व महोत्सव आयोजक
- स्वतंत्र नृत्य कंपनियाँ व अपना नृत्य विद्यालय (स्व-रोज़गार)

माँग (2026)

भारत की समृद्ध शास्त्रीय व लोक नृत्य परंपरा, बढ़ते सांस्कृतिक पर्यटन, फ़िल्म-टीवी-डिजिटल कंटेंट और सोशल मीडिया के कारण कुशल नर्तकों व नृत्य शिक्षकों की माँग बनी रहती है। राजस्थान में घूमर, कालबेलिया व कथक जैसी परंपराएँ पर्यटन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लगातार अवसर देती हैं। हालाँकि प्रतिस्पर्धा अधिक है और स्थायी आय के लिए प्रायः प्रदर्शन के साथ शिक्षण जोड़ना पड़ता है।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. शिष्य / प्रशिक्षु नर्तक (गुरु के अधीन)
2. मंच कलाकार / रेपर्टरी या समूह का नर्तक
3. एकल कलाकार व नृत्य शिक्षक
4. वरिष्ठ गुरु / कोरियोग्राफर / अपने नृत्य विद्यालय या कंपनी के संस्थापक

कमाई

शुरुआत	₹8,000–20,000/माह
मध्य स्तर	₹25,000–50,000/माह
वरिष्ठ स्तर	₹60,000–1,50,000+/माह

इंडीड के अनुसार भारत में एक नर्तक की औसत आय लगभग ₹31,000/माह है, जो शहर व अनुभव पर निर्भर है (दिल्ली में अधिक)। आय बहुत अस्थिर व प्रदर्शन-आधारित होती है — शुरुआत में कम, पर स्थापित एकल कलाकार, प्रसिद्ध गुरु और फ़िल्म/इवेंट डांसर काफ़ी अधिक कमा सकते हैं। अधिकांश नर्तक प्रदर्शन के साथ नृत्य शिक्षण से आय स्थिर करते हैं।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- अपनी कला व रचनात्मकता के माध्यम से आत्म-अभिव्यक्ति और पहचान
- समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ाव, यात्रा व मंच का आनंद
- प्रदर्शन के साथ शिक्षण से आय के कई स्रोत बन सकते हैं

चुनौतियाँ

- आय अनिश्चित व प्रदर्शन/मौसम पर निर्भर; शुरुआत में संघर्ष
- कड़ी शारीरिक साधना; चोट का जोखिम और सीमित प्रदर्शन-आयु
- उच्च प्रतिस्पर्धा और सफलता के लिए वर्षों का समर्पण आवश्यक

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Rajendra Gangani
जयपुर घराने के प्रख्यात कथक नर्तक व गुरु; संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता

राजस्थान की कथक परंपरा से जुड़े पंडित राजेंद्र गंगानी ने केवल चार वर्ष की आयु में अपने पिता व गुरु पंडित कुंदनलाल गंगानी से नृत्य साधना शुरू की और नई दिल्ली के कथक केंद्र से प्रशिक्षण पूरा किया। जयपुर घराने की तेज़ पदचालन व तकनीकी कौशल के लिए विख्यात राजेंद्र गंगानी को 2003 में राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के हाथों संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिला। उन्होंने अनेक नृत्य नाटिकाओं की रचना की और देश-विदेश में प्रस्तुतियाँ दीं। उनका जीवन दिखाता है कि गुरु-शिष्य परंपरा में वर्षों की साधना कैसे एक साधारण शुरुआत को राष्ट्रीय पहचान और शास्त्रीय नृत्य में शीर्ष तक ले जा सकती है।

Sangeet Natak Akademi · https://sangeetnatak.gov.in/public/uploads/awardees/docs/R_K_Gangani.pdf

Prerana Shrimali
जयपुर घराने की वरिष्ठ कथक नर्तकी व गुरु; संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता

राजस्थान के बांसवाड़ा में जन्मी प्रेरणा श्रीमाली ने जयपुर में गुरु कुंदनलाल गंगानी से कथक की दीक्षा ली और नई दिल्ली के कथक केंद्र में अपनी शिक्षा पूरी की, जहाँ बाद में वे वरिष्ठ गुरु (2012–2017) भी रहीं। जयपुर घराने की इस वरिष्ठ नर्तकी को 2009 में केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार तथा 1993 में राजस्थान संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने जयपुर में अपनी संस्था 'कलावर्त' की स्थापना की और अनेक शिष्यों को तैयार किया। उनकी यात्रा उन लड़कियों के लिए प्रेरणा है जो शास्त्रीय नृत्य को समर्पण के साथ करियर बनाना चाहती हैं।

Sangeet Natak Akademi / Wikipedia · https://en.wikipedia.org/wiki/Prerana_Shrimali

10 अगर यह रास्ता न बने तो

एक परीक्षा या एक प्रयास से रास्ता बंद नहीं होता। इन्हीं विषयों से ये रास्ते भी खुलते हैं — इनमें प्रवेश आमतौर पर आसान होता है और आगे चलकर इसी क्षेत्र में लौटा जा सकता है।

- अभिनेता
- गायक

- फोटोग्राफर

11 स्रोत व आगे पढ़ें

1. राजस्थान करियर गाइडेंस — नर्तक (Dancer) — https://cg.rajasthan.gov.in/careerguidance/hi/career/%e0%a4%a8%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a4%e0%a4%95-dancer/

2. संगीत नाटक अकादमी — राष्ट्रीय संगीत, नृत्य व नाट्य अकादमी — https://www.sangeetnatak.gov.in/

3. कथक केंद्र (राष्ट्रीय कथक नृत्य संस्थान) — प्रवेश — https://www.kathakkendra.in/admission

4. CCRT — युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति योजना — https://ccrtindia.gov.in/scholarship-fellowship/scheme-for-scholarships-to-young-artistes/

5. इंडीड — भारत में नर्तक का वेतन — https://in.indeed.com/career/dancer/salaries

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in